

कौशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती
कौशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

नन्हीं-चीटी जब दाना लेकर चलती है
चढती दीवारों पर सौ बार फिसलती है
मन का विश्वास अंगो में साहस भरता है
चढकर गिरना गिरकर चढना न अखरता है
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती
कौशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो
जब तक सफल न हो, नींद चैन को त्यागो तुम
संघर्षों का मैदान छोड़ मत भागो तुम
कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती
कौशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

NAME - SONALI

CLASS - Xth